भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2050

02 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष मेडिकल कॉलेज और संस्थान

2050. श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री कौशलेन्द्र कुमार:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में विशेषकर बिहार के राजगीर और नालंदा और राजस्थान में वर्ष 2014 से स्थापित और स्थापित किए जाने के लिए प्रस्तावित आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और जिला-वार, श्रेणी-वार कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा देश में आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि करने के लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) देश में आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों में अवसंरचना के उन्नयन के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या देश में आयुष शिक्षा के क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या यह सच है कि राजगीर के पंच-पहाड़ी क्षेत्र में बहुत से आयुर्वेदिक पौधे उपलब्ध हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार की इस संबंध में बिहार के राजगीर जिले में संसाधनों का विकास करने की कोई योजना है और यदि हॉ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): देश में वर्ष 2014 से स्थापित आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेजों/शैक्षणिक संस्थानों की कुल संख्या का विवरण निम्नानुसार है:

शैक्षणिक वर्ष 2014-15				**शैक्षणिक वर्ष 2023-24**			
आयुर्वेद	**यूनानी**	**सिद्ध**	**होम्योपैथी**	**आयुर्वेद**	**यूनानी**	**सिद्ध**	**होम्योपैथी**
263	44	9	194	541	58	17	277

इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विभिन्न निजी संगठनों/गैर सरकारी संगठनों तथा राज्य सरकारों से, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) तथा राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच), जो देश में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना के लिए नियामक निकाय हैं, को स्थापित किए जाने हेतु प्रस्तावित कॉलेजों/प्राप्त प्रस्तावों का विवरण। एनसीआईएसएम को प्राप्त प्रस्तावों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **संलग्नक** में दिया गया है।

(ख): चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या बढ़ाना संबंधित राज्य/संघ राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

(ग): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, देश में आयुष शैक्षणिक संस्थानों में अवसंरचना के उन्नयन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को वित्तीय सहायता के निम्नलिखित प्रावधान हैं:-

i) आयुष स्नातक संस्थानों के अवसंरचनात्मक विकास के लिए सहायता का पैटर्न:

1. ओपीडी/आईपीडी/शिक्षण विभागों/पुस्तकालय/प्रयोगशालाओं/लड़कियों के छात्रावास/लड़कों के छात्रावास आदि के निर्माण के लिए 350.00 लाख रुपये।
2. उपकरण, फर्नीचर और पुस्तकालयी पुस्तकों आदि के लिए 150.00 लाख रुपये।
ii) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों/अतिरिक्त पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों के अवसंरचनात्मक विकास के लिए सहायता का पैटर्न
1. ओपीडी/आईपीडी/शिक्षण विभाग/पुस्तकालय/प्रयोगशालाएं/लड़कियों के छात्रावास/लड़कों के छात्रावास आदि के निर्माण के लिए 420.00 लाख रुपये।
2. उपकरण, फर्नीचर और पुस्तकालय की पुस्तकों हेतु 180.00 लाख रुपये तथा नए पीजी आदि के लिए छात्रों को वजीफे का भुगतान।

(घ): देश में आयुष शिक्षा के क्षेत्र में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या में वर्ष 2014 की तुलना में वृद्धि हुई है। शैक्षणिक वर्ष 2014-15 से, स्नातक (यूजी) आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी पाठ्यक्रमों एवं स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में सीटें क्रमशः 32256 से बढ़कर 64812 और 1891 से बढ़कर 7799 हो गई हैं।

(ङ) और (च): राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी), बिहार से प्राप्त सूचना के अनुसार, राजगीर का आयुर्वेद से पुराना नाता है, जहाँ पंच-पहाड़ियों में बहुत सी दुर्लभ और लुप्तप्राय जड़ी-बूटियाँ पाई जाती हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक संगठन, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई), कोलकाता के अनुसार, राजगीर की पहाड़ियों में पाई गई कुछ सामान्य औषधीय पौधे एब्रस प्रीकैटोरस, अधातोडा वासिका, अकेशिया निलोटिका, अचिरांथेस एस्पेरा, एंड्रोग्राफिस पैनिकुलता, एस्पैरागस रेसमोसस, एज़ाडिराच्टा इंडिका, एग्ले मार्मेलोस, ब्लूमिया लैसेरा, बोयरहाविया डिफ्यूसा, ब्यूटिया मोनोस्पर्मा, कैसिया फिस्टुला, फिलांथस फ्रैटरनस, पोर्टुलाका ओलेरासिया, प्लंबैगो ज़ेलेनिका, राउवोल्फिया सर्पेंटिया, टर्मिनलिया अर्जुन आदि हैं।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) पटना, बिहार, जो केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) का परिधीय संस्थान है, ने वर्ष 1971-72 के दौरान बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में उपलब्ध औषधीय पौधों को सूचीबद्ध करने के लिए मेडिको एथनो बोटैनिकल सर्वेक्षण (एमईबीएस) आयोजित किया था।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, वन क्षेत्र में औषधीय पौधों के संसाधन संवर्धन के लिए, अपनी "औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास एवं सतत प्रबंधन पर केंद्रीय क्षेत्रीय योजना" के तहत राज्य वन विभागों को परियोजना आधारित सहायता प्रदान करता है और इस संबंध में उपरोक्त योजना दिशानिर्देश में निर्दिष्ट लागत मानदंडों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। हालाँकि, वर्तमान में, आयुष मंत्रालय के एनएमपीबी के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****

संलग्नक

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में नए एएसयू एंड एच महाविद्यालय स्थापित करने के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संख्या

क्र.सं.	राज्य	आयुर्वेद	सिद्ध	यूनानी	होम्योपैथी
1.	आंध्र प्रदेश	**1**	0	0	0
2.	अरुणाचल प्रदेश	**1**	0	0	0
3.	असम	0	0	0	0
4.	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	0	0	0	0
5.	बिहार	**2**	0	0	0
6.	चंडीगढ़	0	0	0	0
7.	छत्तीसगढ़	**2**	0	0	0
8.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	0	0	0	0
9.	दादरा नगर हवेली और दमन दीव	0	0	0	0
10.	गोवा	0	0	0	0
11.	गुजरात	**5**	0	0	**3**
12.	हरियाणा	**1**	0	0	0
13.	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0
14.	जम्मू और कश्मीर	0	0	0	**1**
15.	झारखंड	**1**	0	0	**1**
16.	कर्नाटक	**9**	0	0	0
17.	केरल	0	0	0	0
18.	लद्दाख	0	0	0	0
19.	लक्षद्वीप	0	0	0	0
20.	मध्य प्रदेश	**9**	0	**1**	**2**
21.	महाराष्ट्र	**2**	0	**2**	**11**
22.	मणिपुर	0	0	0	0
23.	मेघालय	0	0	0	0
24.	मिजोरम	0	0	0	0
25.	नागालैंड	0	0	0	0
26.	ओडिशा	0	0	0	0
27.	पांडिचेरी	0	0	0	0
28.	पंजाब	**3**	0	0	0
29.	राजस्थान	**1**	0	0	0
30.	सिक्किम	0	0	0	0
31.	तमिलनाडु	**1**	**1**	0	0
32.	तेलंगाना	**1**	0	**1**	0
33.	त्रिपुरा	0	0	0	0

क्र.सं.	राज्य	आयुर्वेद	सिद्ध	यूनानी	होम्योपैथी
34.	उत्तर प्रदेश	**18**	0	0	**3**
35.	उत्तराखंड	**1**	0	0	0
36.	पश्चिम बंगाल	0	0	0	0
	कुल	**58**	**58**	**1**	**4**

आकड़ो का स्रोत: एनसीआईएसएम और एनसीएच, नई दिल्ली